ग्राम श्री योजना

☎ 33100,31589 (O)
30690 (R)

प्रकृति एवं गौ-आधारित ग्रामीण विकास समिति

Society for Advancement of Nature & Cow Based Rural Economy

जिला बारां-325205 (राज.)

दिनांक BARAN
जनवरी 20, 2003

ANCRE

पत्र क्र. | अध्यक्ष | कोषाध्यक्ष | सचिव

उद्देश्य :-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोधन के महत्व की पुनर्स्थापना।
2. जैविक कृषि पद्धति के विकास हेतु वातावरण निर्माण।
3. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के संदर्भ में पंचगव्य आधारित पद्धतियों के प्रति जागरूकता पैदा करना।
4. गौबर गैस संयंत्र एवं एनिकट निर्माण।
5. कृषकों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा व योजना प्रदान करना।
6. ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के मध्य समन्वय निर्माण करना।
7. गौवंश का संरक्षण एवं संर्वधन।

आदरणीय महानुभाव,

अन्नपूर्णा बारां जिले का कृषि-उत्पादन के क्षेत्र में योगदान देखते हुए इसे हाड़ौती का "गंगानगर" कहा जाना कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

अन्न-उत्पादन की दृष्टि से असीमित संभावनाओं के बावजूद यहां वैज्ञानिक ढंग से खेती नहीं हो पाने से रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशकों का बेजा इस्तेमाल हो रहा है।

इसके कारण पर्यावरण प्रदूषण के अलावा इस इलाके की सोना उगलने वाली धरती लगातार ऊसर एवं बंजर होती जा रही है जिससे स्थानीय स्तर पर उत्पादित अन्न की गुणवत्ता में भी लगातार गिरावट आती जा रही है।

धरतीमाता एवं समूचे प्राणीजगत के स्वास्थ्य में सतत आती जा रही गिरावट से खासा चिंतित होकर ही प्रकृति एवं गौ-आधारित ग्रामीण विकास समिति से सम्बद्ध कार्यकर्ताओं ने अन्ता स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र से जुड़े वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में नीम, गोबर एवं गोमूत्र आधारित

कार्यालय : आशा एन्टरप्राइजेज,दल्लाजी की धर्मशाला के पास,हॉस्पिटल रोड, बारां

② →

ग्राम श्री योजना

☎ 33100, ~~31659~~ (O)
30690 (R)

प्रकृति एवं गौ-आधारित ग्रामीण विकास समिति

Society for Advancement of Nature & Cow Based Rural Economy

जिला बारां-325205 (राज.)

दिनांक.....................

ANCRE

पत्र क्र.

अध्यक्ष

कोषाध्यक्ष

सचिव

उद्देश्य :-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोधन के महत्व की पुनर्स्थापना।
2. जैविक कृषि पद्धति के विकास हेतु वातावरण निर्माण।
3. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के संदर्भ में पंचगव्य आधारित पद्धतियों के प्रति जागरूकता पैदा करना।
4. गौबर गैस संयंत्र एवं एनिकट निर्माण।
5. कृषकों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा व योजना प्रदान करना।
6. ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के मध्य समन्वय निर्माण करना।
7. गौवंश का संरक्षण एवं संर्वधन।

कार्बनिक जैविक खादों तथा नीमरस की मदद से निर्मित प्राकृतिक कीटनाशकों का प्रयोग करते हुए जैविक खेती को बढ़ावा देने की मुहिम छेड़ी हुई है।

हालांकि इस साल यहां औसत वर्षा के मुकाबले अत्यल्प बारिश होने के बावजूद जिलेभर के विभिन्न क्षेत्रों में उपजाई जाने वाली फसलों, सब्जियों, फल-फूलों में "धनन्जय" कार्बनिक जैविक खाद के इस्तेमाल से प्राप्त परिणामों को प्रत्यक्ष अनुभव करने से क्षेत्रीय किसानों का जैविक खेती की ओर अग्रसर होने का रुझान भी बढ़ा है।

"धनन्जय" कार्बनिक जैविक खाद की मदद से क्षेत्रवार प्राप्त परिणामों का विवरण निम्नानुसार है

ग्राम श्री योजना

☎ 33100,31559 (O)
30690 (R)

प्रकृति एवं गौ-आधारित ग्रामीण विकास समिति

Society for Advancement of Nature & Cow Based Rural Economy

जिला बारां-325205 (राज.)

ANCRE

दिनांक......................

पत्र क्र.

अध्यक्ष कोषाध्यक्ष सचिव

उद्देश्य :-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोधन के महत्व की पुनर्स्थापना।
2. जैविक कृषि पद्धति के विकास हेतु वातावरण निर्माण।
3. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के संदर्भ में पंचगव्य आधारित पद्धतियों के प्रति जागरूकता पैदा करना।
4. गौबर गैस संयंत्र एवं एनिकट निर्माण।
5. कृषकों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा व योजना प्रदान करना।
6. ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के मध्य समन्वय निर्माण करना।
7. गौवंश का संरक्षण एवं संर्वधन।

BARAN

क्रम संख्या	कृषक	फसल	परिणाम
(i)	राधेश्याम सुमन मालादेवी मोहल्ला बारां	सब्जियां	पिछले वर्ष की तुलना में फलाव जल्दी तथा बीमारियां कम लगी
(ii)	अमित जी यादव यादव ट्रेडर्स बारां	फलदार पौधे	पौधों में फल नही आने से परेशान थे। इसके प्रयोग से अच्छा फलाव होने के साथ ही पौधों में कोई बीमारी भी नही लगी।
(iii)	हजारी लाल ओझा ओझा स्टील बारां	गुलाब	इनके यहां की मिट्टी में गुलाब नही पनपते थे। इस खाद के प्रयोग से गुलाब आने के साथ ही अच्छा फलाव भी प्राप्त हुआ।

ग्राम श्री योजना

33100,31559 (O)
30690 (R)

प्रकृति एवं गौ–आधारित ग्रामीण विकास समिति

Society for Advancement of Nature & Cow Based Rural Economy

जिला बारां–325205 (राज.)

दिनांक......................

ANCRE

पत्र क्र.

अध्यक्ष | कोषाध्यक्ष | सचिव

उद्देश्य :-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोधन के महत्व की पुनर्स्थापना।
2. जैविक कृषि पद्धति के विकास हेतु वातावरण निर्माण।
3. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के संदर्भ में पंचगव्य आधारित पद्धतियों के प्रति जागरूकता पैदा करना।
4. गौबर गैस संयंत्र एवं एनिकट निर्माण।
5. कृषकों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा व योजना प्रदान करना।
6. ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के मध्य समन्वय निर्माण करना।
7. गौवंश का संरक्षण एवं संर्वधन।

MANGROL –

(I) ब्रह्मदत्त जी मालव, वार्ड सं. 1 – सती-चबूतरा — लहसुन (चार बीघा) — इन्होंने दो बीघा में 20 बैलगाड़ी गोबर की खाद डाली जबकि शेष दो बीघा में 2 कट्टे धनञ्जय का प्रयोग किया लेकिन दोनों का परिणाम बराबर आया अर्थात →

एक कट्टा धनञ्जय = 10 बैलगाड़ी गोबर की खाद

#

ATRU –

(I) महावीर शर्मा, कुंडी (मोहनपुर) — गेहूँ — इन्होंने गेहूँ की फसल के दौरान धनञ्जय इस्तेमाल किया इनको अपने दूसरे खेत की तुलना में 10 दिन पश्चात सिंचाई की आवश्यकता पड़ी।

#

(II) चौथमल कुशवाह, कुंडी (मोहनपुर) — धनिया, लहसुन एवं गेहूँ। — इनके धनिया ने कम समय में अधिक बढ़त ली, जबकि पत्ती में अत्यधिक चमकीलापन दिखलाई पड़ा। पौधे का रंग गहरा हरा आया, तथा सिंचाई की आवश्यकता कम पड़ी।

ग्राम श्री योजना

☎ 33100, 31659 (O)
30690 (R)

प्रकृति एवं गौ–आधारित ग्रामीण विकास समिति

Society for Advancement of Nature & Cow Based Rural Economy

जिला बारां–325205 (राज.)

ANCRE

दिनांक.....................

पत्र क्र.

अध्यक्ष | कोषाध्यक्ष | सचिव

उद्देश्य :-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोधन के महत्व की पुनर्स्थापना।
2. जैविक कृषि पद्धति के विकास हेतु वातावरण निर्माण।
3. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के संदर्भ में पंचगव्य आधारित पद्धतियों के प्रति जागरूकता पैदा करना।
4. गौबर गैस संयंत्र एवं एनिकट निर्माण।
5. कृषकों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा व योजना प्रदान करना।
6. ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के मध्य समन्वय निर्माण करना।
7. गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन।

जबकि लहसुन की फसल में अन्य काश्तकारों की तुलना में रोग का प्रकोप कम हुआ। इसके अलावा पत्तों की चौड़ाई भी थोड़ी अधिक आई तथा पौधे का तना भी कम समय में अच्छी मोटाई लिये हुए था।

#

ANTA –

(VII) बंशीलाल S/o कन्हैयालाल नागर (कोटड़ी वाले) — सोयाबीन (50 कट्टे) — सोयाबीन में अपेक्षाकृत कमजोर जमीन के बावजूद अधिक समय तक नमी बरकरार रही।

#

(VIII) मदन जी S/o किशोरीलाल जी मलव (समूलियामाताजी) — लहसुन (4 बीघा) — इसके उपयोग से लहसुन में सूखने की बीमारी नहीं लगी तथा जमीन में नमी बनी रही।

#

ग्राम श्री योजना

☎ 33100,31859 (O)
30690 (R)

प्रकृति एवं गौ–आधारित ग्रामीण विकास समिति

Society for Advancement of Nature & Cow Based Rural Economy

जिला बारां-325205 (राज.)

दिनांक......................

ANCRE

पत्र क.

अध्यक्ष कोषाध्यक्ष सचिव

उद्देश्य :-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोधन के महत्व की पुनर्स्थापना।
2. जैविक कृषि पद्धति के विकास हेतु वातावरण निर्माण।
3. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के संदर्भ में पंचगव्य आधारित पद्धतियों के प्रति जागरूकता पैदा करना।
4. गोबर गैस संयंत्र एवं एनिकट निर्माण।
5. कृषकों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा व योजना प्रदान करना।
6. ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के मध्य समन्वय निर्माण करना।
7. गौवंश का संरक्षण एवं संर्वधन।

GANGAPUR CITY →

(10) कृष्णलाल रैगर S/o धन्नालाल रैगर ग्राम हबीबपुर पोस्ट उमरी तह. गंगापुर सिटी (सवाईमाधोपुर)	मटर एवं चना	इनकी भूमि में दीमक एवं उखटा का प्रकोप अधिक रहता था। इस वर्ष 'धनन्जय' के इस्तेमाल से दीमक एवं उखटा पर प्रकोप नहीं के बराबर रहा जबकि चारे में फुटान एवं बढ़वार अच्छी होने से यह आर्थिक दृष्टि से लाभदायक भी रहा। #
(11) [illegible] माली S/o किस्सा माली असलाद चौकी गंगापुर सिटी	गेहूं	इन्होंने अपने पड़ोसी के सरीखा ही बीज इस्तेमाल किया। इनके खेत में गेहूं का फुटान अच्छा होने के साथ ही पीलापन भी नहीं था जबकि पड़ोसी के खेत में 'धनन्जय' के अभाव में फुटान कम थी एवं पीलापन भी अधिक था। #
(12) माणकचंद रैगर ग्राम हबीबपुर तह. गंगापुर सिटी	गेहूं	इनके खेत में 'धनन्जय' खाद के इस्तेमाल से नमी अच्छी रहने से सिंचाई की आवश्यकता कम पड़ रही है जबकि फसल में चमक भी अच्छी दिखाई पड़ रही है। #

→

ग्राम श्री योजना

☎ 33100,31569 (O)
30690 (R)

प्रकृति एवं गौ-आधारित ग्रामीण विकास समिति

Society for Advancement of Nature & Cow Based Rural Economy

जिला बारां-325205 (राज.)

दिनांक......................

ANCRE

पत्र क्र.

अध्यक्ष | कोषाध्यक्ष | सचिव

उद्देश्य :-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गौधन के महत्व की पुनर्स्थापना।
2. जैविक कृषि पद्वति के विकास हेतु वातावरण निर्माण।
3. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के संदर्भ में पंचगव्य आधारित पद्वतियों के प्रति जागरूकता पैदा करना।
4. गौबर गैस संयंत्र एवं एनिकट निर्माण।
5. कृषकों को लघु उद्योग लगाने की प्रेरणा व योजना प्रदान करना।
6. ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं के मध्य समन्वय निर्माण करना।
7. गौवंश का संरक्षण एवं संर्वधन।

(XIIth) गोपाल लाल माली S/o फूलचन्द माली झाड़ मल बालाजी पो. मिर्जापुर, गंगापुर सिटी	जौ	इनके खेत में "धनन्जय" खाद के इस्तेमाल से जौ की फसल में 12-15 तक बालियां आई जबकि इसके पहले इनके यहां 2-5 बालियां ही प्राप्त होती थी तथा पौधा भी कमजोर रहता था। #
(XIIIth) गोपाल लाल माली S/o बुध्दा माली झाड़ मल बालाजी पो. मिर्जापुर	गेहूं	"धनन्जय" खाद के इस्तेमाल से इनकी मिट्टी में भुरभुरापन आने से सिंचाई की आवश्यकता कम पड़ रही है, तथा गेहूं में फुटान भी जल्दी आ रहा है। #
(XIVth) मुरलीधर सैगर ग्राम हबीबपुर पो. लालपुर खेमरी, तह. गंगापुर सिटी	गेहूं	इनके खेत में "धनन्जय" के इस्तेमाल से फसल की बढ़वार अच्छी होने के साथ ही इस बार रोग का प्रकोप भी नही हुआ। #
(XVth) अशोक कुमार S/o लक्ष्मीनारायण ग्राम सलेमपुर तह. गंगापुरसिटी	टमाटर	इस बार "धनन्जय" के इस्तेमाल से टमाटर में जड़गांठ वाली बीमारी नही लगी तथा दीमक का प्रकोप कम होने के साथ ही सिंचाई की आवश्यकता भी कम रही #